



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

सम्प्रचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
यूनिक्यूनिव्यूज़ २०२०	२८.२.२५	५	१-३

### हकृवि की डब्ल्यूएच 1270 से गेहूं उत्पादक किसानों को मिल रहा पूरा लाभः प्रो. काम्बोज

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित गेहूं की डब्ल्यूएच 1270 की उन्नत किस्म किसानों के लिए काफी फायदेमंद साबित हो रही है। यह किस्म गेहूं की अधिक पैदावार तो बढ़ाती है। साथ ही गेहूं की मुख्य बीमारियां जैसे पीला, रत्तवा व भूरा रत्तवा के प्रतिरोग रोधी क्षमता से भी परिपूर्ण है। इन्हीं गुणों के साथ गेहूं की डब्ल्यूएच 1270 की उन्नत किस्म हरियाणा के साथ-साथ देश के सबविधि गेहूं उत्पादक राज्यों के किसानों को भी भरपूर फायदा मिल रहा है। ये विचार विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कंपनियों से समझौते के दौरान कहा। किसानों की आर्थिक स्थिति को और मजबूत बनाने के लिए विश्वविद्यालय ने जगदीश हाईब्रिड सीइस कंपनी, सुपर सीइस, हिसार, यमुना सीइस, इंड्री व गोपाल सीइस फार्म, मानसा से समझौता किया है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि डब्ल्यूएच 1270 की पैदावार व रोग प्रतिरोधक क्षमता को देखते हुए इसकी मांग अन्य राज्यों में भी बढ़ती जा रही है। विश्वविद्यालय के अनुवांशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के गेहूं अनुभाग द्वारा विकसित गेहूं की किस्म डब्ल्यूएच 1270 को



विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज के साथ गेहूं की उन्नत किस्म विकसित करने वाले वैज्ञानिकों की टीम के सदस्य व अन्य अधिकारीगण। ● विज्ञापि।

#### एक साथ चार कंपनियों के साथ हुआ समझौता

मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डा. मंजू महता ने बताया कि विश्वविद्यालय की ओर से एक साथ चार कंपनियों के साथ समझौते हुए। इनमें कुलपति प्रो. काम्बोज की उपस्थिति में विश्वविद्यालय की ओर से समझौता ज्ञापन पर कृषि महाविद्यालय के अधिकारी डा. एसके पाहुजा ने हस्ताक्षर किए। इसकी जगदीश हाईब्रिड सीइस कंपनी की ओर से नमन मितल और प्रबंधक महावीर, सुपर सीइस, हिसार के निदेशक अंकित गर्ग, यमुना सीइस, इंड्री के पार्टनर रमन कुमार और गोपाल सीइस फार्म, मानसा के प्रबंधक संदीप कुमार ने समझौते पर हस्ताक्षर किए।

भारत के उत्तर पश्चिमी मैदानी भाग के सिंचित क्षेत्र में अग्री बिजाई वाली खेती के लिए वरदान साबित हो रही है। उन्होंने बताया कि इसकी

डब्ल्यूएच 1270 की विशेषताएं गेहूं एवं जी अनुभाग के प्रभारी डा. पवन कुमार ने बताया कि किस्म में विश्वविद्यालय द्वारा की गई सिफारिशों के अनुसार बिजाई करके उचित खाद, उर्वरक व पानी दिया जाए तो इसकी औसतन पैदावार 75.8 किलोटन प्रति हेक्टेयर हो सकती है और अधिकतम पैदावार 91.5 किलोटन प्रति हेक्टेयर तक ली जा सकती है। उन्होंने बताया कि इस समय गेहूं के अंदर बालिया निकलने लग रही है। कुछ क्षेत्रों के अंदर जहां रेतीली भूमि है वहां पर सूखम तत्वों की कमी से झंडा पता रोल हो रहा है व तीखा-नुकीला बना हुआ है, जोकि बालियों को सही ढंग से निकलने नहीं देता।

मांग पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान और पश्चिमी उत्तरप्रदेश, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखण्ड में बढ़ती जा रही है।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

सम्प्रचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
२०२२ मार्च	२८.२.२५	३	३-६

### भारकर खास • उन्नत किस्म किसानों तक पहुंचाने के लिए एचएयू का चार कंपनियों के साथ समझौता एचएयू की डब्ल्यूएच 1270 से देश के सर्वाधिक गेहूं उत्पादक राज्यों के किसानों को मिल रहा भरपूर लाभ : प्रो. काम्बोज

भारकर न्यूज़ | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित गेहूं की डब्ल्यूएच 1270 की उन्नत किस्म किसानों के लिए काफी फायदेमंद साबित हो रही है। यह किस्म गेहूं की अधिक पैदावार तो बढ़ाती है साथ ही गेहूं की मुख्य बीमारियां जैसे पीला रत्तवा व भूरा रत्तवा के प्रति रोगरोधी क्षमता से भी परिपूर्ण है।

इन्हीं गुणों के साथ गेहूं की डब्ल्यूएच 1270 की उन्नत किस्म हरियाणा के साथ-साथ देश के सर्वाधिक गेहूं उत्पादक राज्यों के किसानों को मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. मंजू भी भरपूर फायदा मिल रहा है। ये विचार विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर. काम्बोज ने कंपनियों से समझौते के दौरान कही। किसानों की आर्थिक स्थिति को और मजबूत बनाने के लिए विश्वविद्यालय ने काम्बोज की उपस्थिति में विश्वविद्यालय की ओर से समझौता ज्ञापन पर कृषि कॉलेज के अधिकारी डॉ. एस.के.पाहुजा ने हस्ताक्षर किए। जादीश हाईब्रिड सीडीस कंपनी, सुपर सीडीस, हिसार, यमुना सीडीस, इंड्री व गोपाल सीडीस फार्म, मानसा से समझौता किया है।



#### विवि ने कुल 35 कंपनियों से किया है समझौता

मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. मंजू महता ने बताया कि विश्वविद्यालय की ओर से एक साथ चार कंपनियों के साथ समझौते हुए, जिनमें कुलपति प्रो.

और प्रबंधक महावीर, सुपर सीडीस, हिसार के निदेशक अंकित गर्ग, यमुना सीडीस, इंड्री के पार्टनर रमन कुमार और गोपाल सीडीस फार्म, मानसा के प्रबंधक संदीप कुमार ने समझौते पर हस्ताक्षर किए। जात हेतु कि विश्वविद्यालय ने गेहूं की डब्ल्यूएच 1270 की उन्नत किस्म किसानों तक पहुंचाने के लिए कुल 35 कंपनियों से समझौते किए हैं।

#### डब्ल्यूएच 1270 की विशेषताएं

गेहूं एवं जौ अनुभाग के प्रभारी डॉ. पवन कुमार ने बताया कि इस किस्म में विश्वविद्यालय द्वारा की गई सिफारिशों के अनुसार बिजाई करके उचित खाद, उर्वरक व पानी दिया जाए तो इसकी औसतन पैदावार 75.8 किलोटन प्रति हेक्टेएर हो सकती है और अधिकतम पैदावार 91.5 किलोटन प्रति हेक्टेएर तक ली जा सकती है। इस समय गेहूं के अंदर बालिया निकलने लगा रहा है। कुछ क्षेत्रों के अंदर जहां रेतीली भूमि है वहां पर सुख तत्वों की कमी से झांडा फत्ता रोल हो रहा है व तीव्रा-नुकीला बना दुआ है, जो बालियों को सही ढंग से निकलने नहीं देता। यह मैग्नीज तत्व की कमी के लक्षण है। अतः किसानों को सलाह दी जाती है कि उपरोक्त स्थिति में 500 ग्राम मैग्नीज सल्फेट 100 लीटर पानी में घोलकर प्रति एकड़ स्प्रे करें।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

सम्मुचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैरेस भूमि	२४.२.२५	१	१-५

एचएयू की डब्ल्यू एच 1270 से देश के सर्वाधिक गेहूं उत्पादक राज्यों के किसानों को मिल रहा भरपूर लाभ : प्रो. काम्बोज

## गेहूं की डब्ल्यू एच 1270 उन्नत किस्म किसानों तक पहुंचाने के लिए एचएयू ने किया चार कंपनियों के साथ समझौता

हाइमूगि न्यूज || हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की ओर से विकसित गेहूं की डब्ल्यू एच 1270 की उन्नत किस्म किसानों के लिए काफी फायदेमंद साबित हो रही है। यह किस्म गेहूं की अधिक पैदावार तो बढ़ाती है साथ ही गेहूं की मुख्य बीमारियां जैसे पीला रत्तवा व भूरा रत्तवा के प्रति रोगरोधी क्षमता से भी परिपूर्ण है। इन्हीं गुणों के साथ गेहूं की डब्ल्यू एच 1270 की उन्नत किस्म हरियाणा के साथ-साथ देश के सर्वाधिक गेहूं उत्पादक राज्यों के किसानों को भी भरपूर फायदा मिल रहा है।

यह बात विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने मंगलवार को कंपनियों से समझौते के दौरान कही। किसानों की आर्थिक स्थिति को और मजबूत बनाने के लिए विश्वविद्यालय ने जगदीश हाइब्रिड सीइस कंपनी, सुपर सीइस, हिसार, यमुना सीइस, इंड्री व गोपाल सीइस फार्म, मानसा से समझौता किया है। कुलपति ने कहा कि उन्नत किस्म डब्ल्यू एच 1270 की पैदावार व रोग प्रतिरोधक क्षमता को देखते हुए इसकी मांग अन्य राज्यों में भी लगातार बढ़ती जा रही है।

विश्वविद्यालय के अनुवांशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के गेहूं अनुभाग द्वारा विकसित गेहूं की किस्म डब्ल्यू एच 1270 को भारत के उत्तर पश्चिमी मैदानी भाग के सिंचित क्षेत्र में अग्री बिजाई वाली खेती के लिए वरदान साबित हो रही है। इसकी मांग पंजाब,



हिसार। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज के साथ गेहूं की उन्नत किस्म विकसित करने वाले वैज्ञानिकों की टीम के सदस्य व अन्य अधिकारीगण। फोटो: हरिभूमि

हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान और पश्चिमी उत्तरप्रदेश, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखण्ड में लगातार बढ़ती जा रही है।

### डब्ल्यू एच 1270 की विशेषताएं

गेहूं एवं जौ अनुभाग के प्रभारी डॉ. पवन कुमार ने बताया कि इस किस्म में विश्वविद्यालय द्वारा की गई सिकारिशों के अनुसार बिजाई करके उचित खाद, उचित व यानी दिया जाए तो इसकी औसतन पैदावार 75.8 किवंटल प्रति हेक्टेयर हो सकती है और अधिकतम पैदावार 91.5 किवंटल प्रति हेक्टेयर तक ली जा सकती है। उन्होंने बताया कि इस समय गेहूं के अंदर बालिया निकलने लग रही है। कुछ क्षेत्रों के अंदर जहां रेतीली भूमि है वहां पर सुक्ष्म तत्वों की कमी से झांडा पत्ता रोल हो रहा है व तीखा-नुकीला बना हुआ है, जोकि बालियों को सही

### एक साथ चार कंपनियों के साथ हुआ समझौता

मालव संसाधन प्रबंधन विदेशक डॉ. मंजू महता ने बताया कि विश्वविद्यालय की ओर से एक साथ चार कंपनियों के साथ समझौते हुए हैं। इनमें कुलपति प्रो. काम्बोज की उपस्थिति में विश्वविद्यालय की ओर से समझौता हाजिर पर कृषि महाविद्यालय की अधिकारी डॉ. एसके पाण्डुजा ने हस्ताक्षर किए, जबकि जगदीश हाइब्रिड सीइस कंपनी की ओर से नवन गिराव और प्रबंधक महावीर, सुपर सीइस, हिसार के विदेशक अंकित गर्व यमुना सीइस, इंड्री के पार्टनर रमल कुमार और गोपाल सीइस फार्म, मानसा के प्रबंधक संदीप कुमार ने समझौते पर हस्ताक्षर किए। ज्ञात रहे कि विश्वविद्यालय ने गेहूं की डब्ल्यू एच 1270 की उन्नत किस्म किसानों तक पहुंचाने के लिए कुल 35 कंपनियों से समझौते किए हैं।

दूंग से निकलने नहीं देता। यह मैगनीज तत्व की कमी के लक्षण है। अतः किसानों को

छिड़काव करें।

### ये रहे नीजूद

मौके पर विश्वविद्यालय की ओर से आएसडी डॉ. अनुल ढाँगड़ा, मंडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, डॉ. ओपी बिश्नोई, एसवीसी कपिल अरोड़ा, आईपीआर सेल के प्रभारी डॉ. विनोद सांगवान सहित अन्य उपस्थित रहे।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम  
‘पंजाबी सरी’

दिनांक  
२४.२.२५

पृष्ठ संख्या  
२

कॉलम  
२-५



कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के साथ गेहूं की उन्नत किस्म विकसित करने वाले वैज्ञानिकों की टीम के सदस्य व अन्य अधिकारीयण।

### हक्कि ने गेहूं की डब्ल्यू.एच. 1270 उन्नत किस्म को लेकर ४ कंपनियों के साथ किया समझौता

हिसार, २७ फरवरी (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित गेहूं की डब्ल्यू.एच. १२७० की उन्नत किस्म किसानों के लिए काफी फायदमंद साबित हो रही है। क्योंकि यह किस्म गेहूं की अधिक पैदावार तो बढ़ाती है साथ ही गेहूं की मुख्य बीमारियां जैसे पीला रत्वा व भूरा रत्वा के प्रति रोगरोधी क्षमता से भी परिपूर्ण हैं। इन्हीं गुणों के साथ गेहूं की डब्ल्यू.एच १२७० की उन्नत किस्म हरियाणा के साथ-साथ देश के सर्वाधिक गेहूं उत्पादक राज्यों के किसानों को भी भरपूर फायदा मिल रहा है।

ये विचार विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कंपनियों से समझौते के दौरान कही। किसानों

की आर्थिक स्थिति को और मजबूत बनाने के लिए विश्वविद्यालय ने चार कंपनियों से समझौता किया है। कुलपति ने कहा कि उन्नत किस्म डब्ल्यू.एच. १२७० की पैदावार व रोग प्रतिरोधक क्षमता को देखते हुए इसकी मांग अन्य राज्यों में भी लगातार बढ़ती जा रही है। विश्वविद्यालय के अनुवांशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के गेहूं अनुभाग द्वारा विकसित गेहूं की किस्म डब्ल्यू.एच १२७० को भारत के उत्तर पश्चिमी मैदानी भाग के सिंचित क्षेत्र में अग्री बिजाई वाली खेती के लिए वरदान साबित हो रही है। इसकी मांग पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान और पश्चिमी उत्तरप्रदेश, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखण्ड में लगातार बढ़ती जा रही है।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
उन्नत समाचार	२४.२.२५	५	१-५

### हृषि की डब्ल्यू एच 1270 किस्म से देश के सर्वाधिक गेहूं उत्पादक राज्यों के किसानों को मिल रहा भरपूर लाभ : प्रो. कम्बोज

हिसास, 27 फरवरी (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित गेहूं की डब्ल्यू एच 1270 की उन्नत किस्म किसानों के लिए काफी फायदेमंद साबित हो रही है। क्योंकि यह किस्म गेहूं की अधिक पैदावार तो बढ़ाती है साथ ही गेहूं की मुख्य बीमारियां जैसे पीला रत्ता व भूरा रत्ता के प्रति रोगरोधी क्षमता से भी परिपूर्ण है। इन्हीं गुणों के साथ गेहूं की डब्ल्यू एच 1270 की उन्नत किस्म हरियाणा के साथ-साथ देश के सर्वाधिक गेहूं उत्पादक राज्यों के किसानों को भी भरपूर फायदा मिल रहा है। ये विचार विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. कम्बोज ने कंपनियों से समझौते के दौरान कही। किसानों की आर्थिक स्थिति को और मजबूत बनाने के लिए विश्वविद्यालय ने जगदीश हाईब्रिड सीडीस कंपनी, सुपर सीडी, हिसास, यमुना सीडीस, इंटी व गोपाल सीडीस फार्म, मानसा से समझौता किया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. कम्बोज ने कहा कि उन्नत किस्म डब्ल्यू एच 1270 को पैदावार व

रोग प्रतिरोधक क्षमता को देखते हुए इसकी मांग अन्य राज्यों में भी लगातार बढ़ती जा रही है। विश्वविद्यालय के अनुवांशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के गेहूं अनुभाग द्वारा विकसित गेहूं की

जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखण्ड में लगातार बढ़ती जा रही है। कुलपति ने कहा कि यह वैज्ञानिकों की मेहनत का ही परिणाम है कि हरियाणा प्रदेश क्षेत्रफल की दृष्टि से अन्य प्रदेशों



विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. कम्बोज के साथ गेहूं की उन्नत किस्म विकसित करने वाले वैज्ञानिकों की टीम के सदस्य व अन्य अधिकारीगण।

#### \* गेहूं की डब्ल्यू एच 1270 उन्नत किस्म किसानों तक पहुंचाने के लिए हृषि ने किया चार कमनियों के साथ समझौता

उत्तर पश्चिमी मैदानी भाग के सिंचित क्षेत्र में अगती बिजाइ वाली खेती के लिए वरदान साबित हो रही है। इसकी मांग पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान और पश्चिमी उत्तरप्रदेश,

देश के केंद्रीय खाद्यान भण्डारण में प्रदेश का कुल भण्डारण का लगभग 16 प्रतिशत हिस्सा है और फसल उत्पादन में अग्रणी प्रदेशों में है। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. मंजू महता ने

किंटल प्रति हेक्टेयर हो सकती है और अधिकतम पैदावार 91.5 किंटल प्रति हेक्टेयर तक ली जा सकती है। उन्होंने बताया कि इस समय गेहूं के अंदर बालिया निकलने लग रही है। कुछ क्षेत्रों के अंदर जहां रेतीली भूमि है वहां पर सुक्षम तत्वों की कमी से झंडा पता रोल हो रहा है व तीखा-नुकीला बना हुआ है, जोकि बालियों को सही ढंग से निकलने नहीं देता। यह मैगनीज तत्व की कमी के लक्षण है। अतः किसानों को सलाह दी जाती है कि उपरोक्त स्थिति में वे 500 ग्राम मैगनीज सल्फेट 100 लीटर पानी में घोलकर प्रति एकड़ स्प्रे करें। इससे बालियां सही ढंग से निकलने लग जाएंगी। यदि उसके बाद भी समस्या ज्यों की त्यों रहती है तो एक ससाह के बाद पुनर्मैगनीज सल्फेट का छिक्काव करें। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की ओर से ओएसडी डॉ. अतुल ढींगरा, मीडिया एडवाइजर डॉ. सर्दीप आर्य, डॉ. ओ.पी. बिश्नोई, एसवीसी कपिल अरोड़ा, आईपीआर सेल के प्रभारी डॉ. विनोद सांगवान सहित अन्य उपस्थित रहे।



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
‘अभू’ उजाला	२४. २. २५	५	७-४



हिसार में एचएयू विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज के साथ गेहूं की उन्नत किस्म विकसित करने वाले वैज्ञानिकों की टीम के सदस्य व अन्य अधिकारीगण।

## गेहूं की उन्नत किस्म किसानों तक पहुंचाने के लिए एचएयू ने किया 4 कंपनियों से समझौता

संवाद न्यूज एंजेंसी

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की तरफ से विकसित गेहूं की डब्ल्यूएच 1270 की उन्नत किस्म किसानों के लिए काफी फायदेमंद सवित हो रही है। क्योंकि यह किस्म गेहूं की अधिक पैदावार तो बढ़ाती है साथ ही गेहूं की मुख्य बीमारियां जैसे पीला रत्तवा व भूरा रत्तवा के प्रति रोगरोधी क्षमता से भी परिपूर्ण है। ये विचार विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने कंपनियों से समझौते के दौरान कही। किसानों की आर्थिक स्थिति को और मजबूत बनाने के लिए विश्वविद्यालय ने जगदीश हाईब्रिड सीइस कंपनी, सुपर सीइस, हिसार, यमुना सीइस, इंद्री व गोपाल सीइस फार्म, मानसा से समझौता किया है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. कांबोज ने कहा कि दूसरे राज्यों पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान और पश्चिमी उत्तरप्रदेश, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखण्ड में भी इस किस्म की लगातार बढ़ती जा रही है।

1270 की उन्नत किस्म का देश के सर्वाधिक गेहूं उत्पादक राज्यों के किसानों को मिल रहा लाभ

एक साथ चार कंपनियों के साथ हुआ समझौता, अभी तक हो चुके हैं कुल 35 समझौते : मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. मंजू महता ने बताया कि विश्वविद्यालय की ओर से एक साथ चार कंपनियों के साथ समझौते हुए, जिनमें कुलपति प्रो. कांबोज की उपस्थिति में विश्वविद्यालय की ओर से समझौता ज्ञापन पर कृषि महाविद्यालय के अधिकारी डॉ. एस.के.पाहुजा ने हस्ताक्षर किए, जबकि जगदीश हाईब्रिड सीइस कंपनी की ओर से नमन मित्तल और प्रबंधक महावीर, सुपर सीइस, हिसार के निदेशक अंकित गर्ग, यमुना सीइस, इंद्री के पार्टनर रमन कुमार और गोपाल सीइस फार्म, मानसा के प्रबंधक संदीप कुमार ने समझौते पर हस्ताक्षर किए। जात रहे कि विश्वविद्यालय ने गेहूं की डब्ल्यू एच 1270 की उन्नत किस्म किसानों तक पहुंचाने के लिए कुल 35 कंपनियों से समझौते किए हैं।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
ईनक इन्द्र	२४.२.२५	१०	२-४

### गेहूं की डब्ल्यू एच 1270 किस्म के लिए चार कंपनियों के साथ समझौता कुलपति ने कहा- सर्वाधिक गेहूं उत्पादक राज्यों के किसानों को मिल रहा लाभ

हिसार, 27 फरवरी (हग्र)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित गेहूं की डब्ल्यू एच 1270 की उन्नत किस्म किसानों के लिए काफी फायदमंद साबित हो रही है। यह किस्म गेहूं की अधिक पैदावार तो बढ़ाती है साथ ही गेहूं की मुख्य बीमारियां जैसे पीला रत्वा व भूरा रत्वा के प्रति रोगरोधी क्षमता से भी परिपूर्ण हैं। इन्हीं गुणों के साथ गेहूं की डब्ल्यू एच 1270 की उन्नत किस्म हरियाणा के साथ-साथ देश के सर्वाधिक गेहूं उत्पादक राज्यों के किसानों को भी भरपूर फायदा मिल रहा है। यह बात विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कंपनियों से समझौते के दौरान कही। किसानों की आर्थिक स्थिति को और मजबूत बनाने के लिए विश्वविद्यालय ने जगद्देश हॉटेल सीइस कंपनी, सुपर सीइस, हिसार, यमुना सीइस, हंड्री व



हिसार में मंगलवार को हक्किय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के साथ गेहूं की उन्नत किस्म विकसित करने वाले वैज्ञानिकों की टीम के सदस्य व अन्य अधिकारी।-हग्र

गोपाल सीइस फार्म, मानसा से समझौता किया है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि उन्नत किस्म डब्ल्यू एच 1270 की पैदावार व रोग प्रतिरोधक क्षमता को देखते हुए इसकी मांग अन्य राज्यों में भी लगातार बढ़ती जा रही है। विश्वविद्यालय के अनुबांशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के गेहूं अनुभाग द्वारा विकसित गेहूं की किस्म डब्ल्यू एच 1270 को भारत के उत्तर पश्चिमी मैदानी भाग के सिंचित क्षेत्र में अग्री बिजाई वाली खेती के लिए

वरदान साबित हो रही है। इसकी मांग पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान और पश्चिमी उत्तरप्रदेश, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखण्ड में लगातार बढ़ती जा रही है।

गेहूं एवं जौ अनुभाग के प्रभारी डॉ. पवन कुमार ने बताया कि इस किस्म में विश्वविद्यालय द्वारा की गई सिफारिशों के अनुसार बिजाई करके उचित खाद, उर्वरक व पानी दिया जाए तो इसकी औसतन पैदावार 75.8 किंवद्दल और अधिकतम पैदावार 91.5 किंवद्दल प्रति हेक्टेयर तक ली जा सकती है।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक सवेरा	28.02.2024	--	--

कुलपति बोर्ड, लोक संपर्क कार्यालय एवं उत्तराखण्ड के किसानों को मिल रहा भरपूर लाभ

## गेहूं की उन्नत किस्म पर हृकृषि ने किया 4 कंपनियों के साथ समझौता

सवेरा न्यूज/सुरेंद्र सोढ़ी

हिसार, 27 फरवरी : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने किसानों की आर्थिक स्थिति को और मजबूत बनाने के लिए विश्वविद्यालय ने जगदीश हाईब्रिड सीडीस कंपनी, सुपर सीडीस, हिसार, यमुना सीडीस, इंद्री व गोपाल सीडीस फार्म, मानसा से समझौता किया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के साथ गेहूं की उन्नत किस्म विकसित करने वाले वैज्ञानिकों की टीम के सदस्य व अन्य अधिकारीगण।



विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के साथ गेहूं की उन्नत किस्म विकसित करने वाले वैज्ञानिकों की टीम के सदस्य व अन्य अधिकारीगण।

बढ़ाती है साथ ही गेहूं की मुख्य बीमारियां जैसे पीला रत्तवा व भूरा रत्तवा के प्रति रोगरोधी क्षमता से भी परिपूर्ण है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की ओर से ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, मीडिया एडवाइजर

डॉ. संदीप आर्य, डॉ. ओ.पी. बिश्नोई, एसवीसी कपिल अरोड़ा, आईपीआर सेल के प्रभारी डॉ. विनोद सांगवान सहित अन्य उपस्थित रहे।

डब्ल्यू एच 1270 की विशेषताएं : गेहूं एवं जौ अनुभाग के देता।

प्रभारी डॉ. पवन कुमार ने बताया कि इस किस्म में विश्वविद्यालय द्वारा की गई सिफारिशों के अनुसार बिजाई करके उचित खाद, उर्वरक व पानी दिया जाए तो इसकी औसतन पैदावार 75.8 किंटल प्रति हेक्टेयर हो सकती है और अधिकतम पैदावार 91.5 किंटल प्रति हेक्टेयर तक ली जा सकती है। उन्होंने बताया कि इस समय गेहूं के अंदर बालिया निकलने लग रही है। कुछ क्षेत्रों के अंदर जहां रेतीली भूमि है वहां पर सुख्म तत्वों की कमी से झांडा पत्ता रोल हो रहा है व तीखा-नुकीला बना हुआ है, जोकि बालियों को सही ढंग से निकलने नहीं



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज	27.02.2024	--	--

# गेहूं की उन्नत किस्म किसानों तक पहुंचाने के लिए हकूमि ने किया चार कंपनियों के साथ समझौता

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकासित गेहूं की डब्ल्यूएच 1270 की उन्नत किस्म किसानों के लिए कापड़ी फायदेमंद समिति हो रही है। क्योंकि यह किस्म गेहूं की अधिक पैदावार तो बढ़ती है और यह गेहूं की मुख्य बीमारियाँ जैसे पिला सावा व भूरा सावा के प्रति गोपनीय धमता से भी परिपूर्ण है। इनी गुणों के साथ गेहूं की डब्ल्यूएच 1270 की उन्नत किस्म हरियाणा के सभ्य-साथ देश के सभी गेहूं उत्पादक राज्यों के किसानों को भी भरपूर फायदा मिल रहा है। ये विवार विश्वविद्यालय के कुलपति प्रौ. बी.आर. काम्योज ने कंपनियों से समझौते के दैशन कही। किसानों की अधिक स्थिति को और मजबूत बनाने के लिए विश्वविद्यालय ने जगदीश हाईब्रिड सीइस कंपनी, सुपर सीइस, हिसार, यमुना सीइस, इंट्री व गोपाल सीइस फार्म, मानसा से समझौता किया है।



कुलपति प्रौ. बी.आर. काम्योज के साथ गेहूं की उन्नत किस्म किसानों की टीम के सदस्य व अब्दु अब्दुल्लामा

कुलपति प्रौ. बी.आर. काम्योज ने कहा कि उन्नत किस्म डब्ल्यूएच 1270 की पैदावार व गेहूं प्रतिरोधक धमता को देखते हुए इसकी मांग अन्य राज्यों में भी लगातार बढ़ती जा रही है। विश्वविद्यालय के अनुवाशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के गेहूं अनुभाग द्वारा विकासित गेहूं की किस्म डब्ल्यूएच 1270 को भारत के उत्तर पश्चिमी मैदानी भाग के सिंचित क्षेत्र में अंतिम विजाइ वाली खेती के लिए बढ़ान समिति हो रही है। इसकी मांग पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, बंजराली और परिचमी उत्तरांध्र, जम्मू-कश्मीर, मिसाचल प्रदेश और उत्तराखण्ड में लगातार बढ़ती जा रही है। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक द्वां. मंजू महजा ने बताया कि विश्वविद्यालय की ओर से एक साथ चार कंपनियों के साथ समझौते हुए, जिनमें कुलपति प्रौ. काम्योज की उपस्थिति में विश्वविद्यालय की ओर से समझौता जापन पर कृषि महाविद्यालय के अधिकारी डॉ. विनोद संगवान सहित अन्य उपस्थित रहे। एम.के.पाहुना ने हस्ताक्षर किए। जाते हुे कि विश्वविद्यालय ने गेहूं की डब्ल्यूएच 1270 की उन्नत किस्म किसानों तक पहुंचाने के लिए कुल 35 कंपनियों से समझौते किए हैं। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की ओर से ओएसडी डॉ. अतुल द्वांडु, मीडिया एडवाइजर डॉ. सदैप आर्य, डॉ. ओ.पी. विश्नोई, एसवीसी कपिल अरोड़, आईसीआर सेल के प्रभारी डॉ. विनोद संगवान सहित अन्य उपस्थित रहे।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	27.02.2024	--	--

### गेहूं की इच्छु एवं 1270 उन्नत किसानों तक पहुंचाने के लिए हक्की ने किया चार कैफियों के साथ समझौता

पांच बजे न्यूज

हिसार, 27 फरवरी। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विषयित गेहूं की इच्छु एवं 1270 की उन्नत किस किसानों के लिए कानून पासवर्ग साधित हो रही है। जबकि यह किस किस गेहूं की अधिक प्रोत्तराम तो बढ़ती है याथ ही गेहूं की मूल्य बोगारिया जैसे दीमत देखा जा पूरा देखा के प्रति दीमतों वाला से भी परिपर्श है। इसी युगों के साथ ही गेहूं की इच्छु एवं 1270 की उन्नत किस हरियाणा के साथ-साथ



कानूनों जा रही है। विश्वविद्यालय के खालीन भाषणमाला में प्रोफेस का कुल गाड़ीजा हाईकोड सीइस कंपनी की ओर अनुबंधिको इस प्रौद्योगिक विभाग के विधायक द्वारा प्रदान की गयी विषयालय के कुल गाड़ीजा 16 असंवित हिस्से हैं और फारम उन्नाटन में आगामी प्रदर्शों में है। ऐसी बातों की सीधी जानकारी के लिए विधायक द्वारा 1270 की ओर प्रति जिसका विवरण दी गया विधायक द्वारा दी गयी गई है। बाकी की जानकारी की सीधी जानकारी के लिए विधायक द्वारा जो जानकारी है।

एक साथ चार कैफियों के साथ गाड़ीजा सीइस, ईडी के पाइपर मान गी, कूपर और गोपाल सीइस फार्म, मानकों के प्रबंधक नीलपंथ कूपर ने गाड़ीजों पर इकाइ 100 सीटर पाली में भोलकर प्रति एकाइ 2 से बढ़ी। वह उसके बाद भी समस्या न्हों को खोली जाती है तो एक साथ के बाद युक्ति गोपीज साफेट का डिज़ाइन करें।

कुल 35 समझौते का विवरण द्वारा दी गयी विषयालय को गेहूं की इच्छु एवं विधायक द्वारा दी गयी विषयालय को गेहूं की इच्छु एवं विधायक द्वारा दी गयी विषयालय को गेहूं की इच्छु 270 की उन्नत किस किसानों तक और मैरे एक साथ चार कैफियों के साथ कुल 35 कैफियों से समझौते हुए, जिनमें कुलपंथ प्रो. कानूनों के लिए कूपर की उन्नाटति में विषयालय 1270 की विशेषताएं जो और से समझौता जाए पर कृषि गेहूं एवं जो अनुभव के प्रधारी और वरन् को खुए से अन्य प्रदेशों की कुलना में विश्वविद्यालय के अधिकारी हों। कूपर के विवर कि इस किस के विविधालय द्वारा की गई विषयालयों के

अनुबंध विजाइ करके उन्नाट चार, उन्नाट या जानी दिया जाए तो इसकी अविस्तर प्रदानाम 75.8 किलो प्रति देवरेया ही जानकारी है और अधिकतम प्रदानाम 91.5 किलो प्रति देवरेया तक ही जो साकारी है। उन्होंने बताया कि इस समय गेहूं के अंदर जालिया विकास के साथ गेहूं की अंदर जालिया जीवों के अंदर जाली जीवों में भूमि है वहाँ पर कूप्य तारों की कमी से जूर सीइस, हिसार के विदेशी विकल गर्म, बक्सा सीइस, ईडी के पाइपर मान गी, कूपर और गोपाल सीइस फार्म, मानकों के प्रबंधक नीलपंथ कूपर ने गाड़ीजों पर इकाइ 100 सीटर पाली में भोलकर प्रति एकाइ 2 से बढ़ी। वह उसके बाद भी समस्या न्हों को खोली जाती है तो एक साथ के बाद युक्ति गोपीज साफेट का डिज़ाइन करें।

ये रोमानिकों के लिए जीवों के लकड़ा है। वह मीनुद इस अवसर पर विश्वविद्यालय को और से ओरसदी और अनुभव दींगु, मीनिङा एडलाइज और सोलीप आर्य, और और प्रिलोइ, एडालीसी कपिल मीनदू, अर्हिपिऊरा योंत के प्रधारी और विनोद विश्वविद्यालय द्वारा की गई विषयालयों के



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	27.02.2024	--	--

## गेहूं की डब्ल्यू एच 1270 उन्नत किसानों तक पहुंचाने के लिए हकूम ने किया चार कंपनियों के साथ समझौता

मपन जियाला न्यूज  
हिसार, 27 फरवरी । चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित गेहूं की डब्ल्यू एच 1270 की उत्तम किसानों के लिए कासी फलारेप्रेश साधित हो रही है। जबकि वह किस गेहूं की अधिक बेंदारता साधती है खाद्य होने वाली मूल बोम्बाइया जैसे बेंदारता रखने वाले स्ट्रेगीज तथा सेल के पारिपूर्ण है। इन्हीं गुणों के साथ गेहूं की डब्ल्यू एच 1270 को उत्तम किसान हरियाणा के साथ-साथ देश के सर्वाधिक गेहूं उत्पादक राज्यों के किसानों को भी भरभूत फायदा मिल रहा है। ऐ विश्व विश्वविद्यालय के कूलपरिव प्रो. बी.आर. काल्याज ने कंपनियों से समझौते के दीखन कहा। किसानों की अधिक विजय की ओर भरभूत बनाने के लिए विश्वविद्यालय ने जगदीश हाईक्रिक और सोसायंट शुगर सोइल्स, हिसार, यमन सोइल्स, रुदी व गोपाल गोइस फार्म, यासाक से समझौता किया है। विश्वविद्यालय के कूलपरिव प्रो. बी.आर. काल्याज ने कहा कि कठाक किस डब्ल्यू एच 1270 को बेंदारत व रुदी से अन्य प्रदेशों की जूत्या में बढ़ाविद्यालय के अधिकारी डी. कुमार ने हमसाथ किए, जबकि



वहां जा रही है। विश्वविद्यालय के कूलपरिव द्वारा एस लीब प्रबन्धन विभाग के गेहूं अनुभाव द्वारा विश्वविद्यालय गेहूं की किस डब्ल्यू एच 1270 को जारी करने के विषय वक्ता विवाद में आगामी प्रदेशों में।

एक साथ चार कंपनियों के माध्यम समझौता, अभी तक से चुके हैं कुल 35 कंपनियों से प्रबन्धन संसाधन प्रबन्धन विदेश की ओर से नमन विजय और प्रबन्धक महानी, युरो गोइस, हिसार के वार्टन ग्यार कुपर और यासाक सोइल्स फार्म, मपन कूपर और रुदी प्रदेश कुमार ने समझौते पर हमसाथ किए। ज्ञान योगी कि विश्वविद्यालय ने गेहूं की डब्ल्यू एच 1270 को उत्तम किसानों तक 1270 को उत्तम किसानों तक पहुंचाने के लिए कुल 35 कंपनियों से समझौते किए हैं।

कठाक की उपस्थिति में विश्वविद्यालय की ओर से विश्वविद्यालय की ओर से जगदीश हाईक्रिक द्वारा रुदी से अन्य प्रदेशों की जूत्या में बढ़ाविद्यालय के अधिकारी डी. कुमार ने बताया कि इस किसमें समझौते की छाता है जबकि देश के केंद्रीय संगठनों के अधिकारी चारों ओर से अन्य राज्यों में भी लगातार बढ़ा रही है। जूत्या में गई सिस्टमों के

अनुसार विजाई करके अधिक सारा उत्तर व पश्चिम जाएं तो इसकी ओसाम वैदावर 75.8 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर हो सकती है और अधिकतम वैदावर 91.5 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर तक हो जा सकती है। उन्होंने बताया कि इस ब्रेक गेहूं के बींदर बालिया निकलने लग रही है। जूत्या जोड़ों के अंदर जाने जैसी भूमि है वहां पर सुखा बालों की कमी से झोड़ पता रोटा हो जाता है जो बीड़ा-सूखों का बना रुका है, जोकि बालियों को कमी डाँ से निकलते रहती है। यह जैसी जूत्या की कमी के क्षण है। आगे किसानों को बताया जाना है कि उत्तरीक विद्युत में ले 500 घमनीज एकफैट 100 लील बालों में जौलकर प्रति रुपये दी जाती है। यह उसके बाद भी यमनवालों को लोट्या रहती है तो एक जूत्या के चार घमन के बीच कमाल और सोडाएं फार्म, मपन कूपर और यासाक सोइल्स फार्म, मपन कूपर और रुदी प्रदेश कुमार ने समझौते के लिए कृषिकार की ओर से जूत्या के बाद पूर्व संगीत शालों का रुका है।

वे रुदीप्रदेश इस अवसर पर विश्वविद्यालय की ओर से जीएसटी डी. अनुल दीगढ़, योडिया एडाप्टर डी. संदीप अर्जुन, डी.ओ.पी. विश्वनार्ह एस्ट्रेचर कंपनी अरोड़ा, अहमदीआर बेल के प्रभारी डी. विनोद योगीकार सहित अन्य उपरिक्त रहे।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
चिराग टाइम्स न्यूज	27.02.2024	--	--

### हक्कवि की डब्ल्यू एच 1270 से देश के सर्वाधिक गेहूं उत्पादक राज्यों के किसानों को मिल रहा भरपूर लाभ : प्रो. बी.आर. काम्बोज

हिसार (चिराग टाइम्स)

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकासित गेहूं की डब्ल्यू एच 1270 की उत्तम किस्म किसानों के लिए काफी पायदर्दन खासित हो रही है। क्योंकि यह किस्म गेहूं की अधिक पैदावार तो बहुती है साथ ही गेहूं की मुख्य बीमारियों जैसे पीला रत्नवा व भूरा रत्नवा के प्रति रोगरोधी शामता से भी परिष्पृष्ठ है। इन्हीं गुणों के साथ गेहूं की डब्ल्यू एच 1270 की उत्तम किस्म हरियाणा के साथ-साथ देश के सर्वाधिक गेहूं उत्पादक राज्यों के किसानों को भी भरपूर फायदा मिल रहा है। ये विवार विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कौशिकियों से समझौते के दीर्घन कही। किसानों की आधिक स्थिति को और मजबूत बनाने के लिए विश्वविद्यालय ने जगदीश हाईब्रिड सीइस कंपनी, सुपर सीइस, हिसार, यमुना सीइस, हड्डी च गोपाल सीइस फार्म, मानसा के समझौते किया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि उत्तम किस्म डब्ल्यू एच 1270



को पैदावार व गोग प्रतिरोधक क्षमता को देखते हुए इसकी मांग अन्य राज्यों में भी लगातार बढ़ती जा रही है। विश्वविद्यालय के अनुचालिकों एवं चौथे प्रजनन विभाग के गेहूं अनुभाग द्वारा विकासित गेहूं की किस्म डब्ल्यू एच 1270 को भारत के उत्तर प्रदेशी मैदानी भाग के सिंचित क्षेत्र में अंगती विजाहं चाली खेतों के लिए बहुत सायित हो रही है। इसकी मांग पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान और पश्चिमी उत्तरप्रदेश, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखण्ड में लगातार बढ़ती जा रही है। एक साथ चार कंपनियों के साथ हुआ समझौता, अभी तक हो चुके हैं कुल 35 समझौते।

मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. मंजू महता ने बताया कि विश्वविद्यालय की ओर से एक साथ चार कंपनियों के साथ

समझौते हुए, जिनमें कुलपति प्रो. काम्बोज की उपरिक्षित में विश्वविद्यालय की ओर से समझौता ज्ञापन पर कृषि महाविद्यालय के अधिकारी डॉ. एस.के.पाहुजा ने हस्ताक्षर किए, जबकि जगदीश हाईब्रिड सीइस कंपनी की ओर से नमन मिशन और प्रबंधक भारतीय, सुपर सीइस, हिसार के निदेशक अधिकारी गर्म, यमुना सीइस, हड्डी च गोपाल सीइस फार्म, मानसा के प्रबंधक संस्थापकुमार ने समझौते पर हस्ताक्षर किए। जाते होने कि विश्वविद्यालय ने गेहूं की डब्ल्यू एच 1270 की उत्तम किस्म किसानों तक पहुंचाने के लिए कुल 35 कंपनियों से समझौते किए हैं।

और अधिकतम पैदावार 91.5 किंटल प्रति हेक्टेएर तक ही जा सकती है। उन्होंने बताया कि इस

समय गेहूं के अंदर बालिया निकलने लग रही है। कुछ खेतों के अंदर जाहा रेतीली भूमि है वहाँ पर सूखे तत्वों की कमी से इंडिया पता रोत हो रहा है व तीखा-नुकीला बना हुआ है, जोकि बालियों को सही ढंग से निकलने नहीं देता। यह मैग्नीज तत्व की कमी के लक्षण है। अतः किसानों को सलाह दी जाती है कि उपरोक्त मिथ्यति में वे 500 ग्राम मैग्नीज सल्फेट 100 लीटर पानी में घोलकर प्रति एकड़ स्ट्री करें। इससे बालियों सही ढंग से निकलने लग जाएंगी। यदि उसके बाद भी समस्या ज्यों भी लगती है तो एक सप्ताह के बाद पुनः मैग्नीज सल्फेट का छिपाकर करें।

ये रुह मौजूद

इस अवसर पर विश्वविद्यालय की ओर से ओपरेटरी डॉ. अतुल दीगुड़ा, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, डॉ. ओ.पी. विश्नोई, एसवीसी कपिल अरोड़ा, आईपीआर सेल के प्रभारी डॉ. विनोद सांगवान सहित अन्य उपरिक्षित रहे।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठकपक्ष न्यूज	27.02.2024	--	--

### हकूमि द्वारा गांव ढाणा कलां में फसल अवशेष प्रबंधन व चारा उत्पादन पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 27 फरवरी : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कृषि विज्ञान केंद्र सदलपुर व चारा अनुभाग द्वारा गांव ढाणा कलां में किसान संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी में 100 से अधिक किसानों ने भाग लिया। इसमें चारा अनुभाग के कीट वैज्ञानिक डॉ. बजरंग लाल शर्मा ने किसानों को फसल अवशेष जलाने की बजाय मिट्टी में मिलाकर भूमि की उर्वरा शक्ति बढ़ाकर मित्र कीटों को सुरक्षित करके बह अन्य सूक्ष्म लाभकारी जीवों को बढ़ाकर अधिक उत्पादन लेने की सलाह दी।

कृषि विज्ञान केंद्र, सदलपुर के को-ऑफिसियल डॉ. नरेंद्र कुमार ने बताया कि फसल अवशेष प्रबंधन के लिए जीरो ड्रिल हैप्पी सीडर, रोटावेटर, बेलर आदि मशीनों का प्रयोग करके किसान अधिक मुनाफा ले सकते हैं। उन्होंने प्राकृतिक खेती से



कम लागत में जीवामृत, बीजामृत, निमास्त्र आदि तैयार करके इसे थोड़े क्षेत्र में शुरू करने की सलाह दी।

चारा अनुभाग के सस्य वैज्ञानिक डॉ. सतपाल ने किसानों को बरसीम, जई व रिजिका की फसल से बीज उत्पादन करके अधिक आय लेने की सलाह दी। उन्होंने बताया कि मई व जून माह में हरे चारे की भारी कमी हो जाती है, जिसके लिए मार्च महीने के लिए ज्वार, बाजरा,

लोबिया व मक्का की बिजाई करके मई व जून माह में हरे चारे की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सकती है। उन्होंने पशुओं के लिए सारा साल पौष्टिक आहार उपलब्ध कराने के बारे में भी किसानों को बताया। कृषि विज्ञान केंद्र, सदलपुर के वैज्ञानिक डॉ. दिनेश कुमार ने किसानों को किंचन गार्डनिंग अपनाने के साथ सरकार द्वारा दी जाने वाली विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
The Tribune	28. 2. 24	3	6 - 8

# Day temperature declines by 4°C below average in region

IMD predicts thunderstorm/showers on March 1, 2

DEEPENDER DESWAL

TRIBUNE NEWS SERVICE

HISAR, FEBRUARY 27

Light showers in Hisar and some other parts of the state today brought down the maximum temperature in the state. The showers are beneficial for the wheat crop but have raised concerns of the mustard farmers as the crop is at the ripening stage.

As per the Indian Meteorological Department (IMD), showers and overcast sky have brought the temperature by an average of four degrees Celsius in the state. Kurukshetra recorded the lowest daytime temperature of 18.7°C while Faridabad recorded the highest 25.9°C during the day today. The IMD also recorded .9 mm rainfall in Hisar and .5 mm in Jhajjar district today.

However, the weather office predicted that the western disturbances

### YELLOW ALERT

■ The IMD has issued a yellow alert for 14 districts for March 1 and for the entire state on March 2 in view of the thunderstorm/showers due to western disturbances.

were likely to affect the Western Himalayan region and the adjoining plains from March 1 to March 3 which could cause light to moderate rain at few places in Haryana on March 1 and March 2. The IMD has issued a yellow alert for 14 districts for March 1 and for the entire state on March 2 in view of the thunderstorm and showers due to western disturbances.

Prof Om Prakash Bishnoi, wheat scientist at the Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University (HAU) Hisar said with the difference in the

day and night temperature, there was a possibility of a good wheat crop. He, however, said hails and gusty winds could cause damage to wheat and mustard crops at this stage.

Prof Bishnoi, however, said the above normal temperature last month seemed to have adversely impacted the HD 2851 — one of the popular varieties of wheat among the farmers. "The advanced sown wheat crop of this variety of seed has witnessed lack of pollination on the earrings of the plants. Due to the above normal temperature of day and night in December and foggy weather in January, this variety of wheat crop has developed earrings in a shorter span of time. As a result, the farmers are complaining of lack of pollination in the earrings which is a kind of shallowness of the grain", he said.